भीलवाड़ा फोकस

भीलवाड़ा की बात, फोकस के साथ.....

RNI No. : RJHIN/25/A0890

वर्ष - 02 | अंक - 10 | बिजौलिया - सोमवार,03 अगस्त,2026 | मूल्य - 1 रुपया | मो.- 86967 95959 | पृष्ठ - 4 | WWW.BHILWARAFOCUS.COM

राजस्थान में गहलोत ही कांग्रेस के आलाकमान, मैं आज भी अपने बयान पर कायमः शांति धारीवाल

पूर्व मंत्री बोले- प्रदेश का कार्यकर्ता सबसे पहले गहलोत के घर पहुंचता है, यही उनके नेतृत्व का सबसे बड़ा प्रमाण; पेपर लीक और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर पर भी साधा निशाना

भीलवाड़ा फोकस @ कोटा ।

गर्वित । राजस्थान कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति के बीच कोटा उत्तर से कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री शांति धारीवाल ने एक बार फिर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को प्रदेश कांग्रेस का सबसे बड़ा नेता बताया है। धारीवाल ने साफ शब्दों में कहा कि 'राजस्थान में अशोक गहलोत ही कांग्रेस के आलाकमान हैं। दिल्ली का आलाकमान अलग है, वह सबसे बड़ा हाईकमान है, लेकिन प्रदेश में नेतृत्व गहलोत का ही है। '

मीडिया से बातचीत के दौरान जब उनसे उनके पुराने बयान को लेकर सवाल किया गया तो धारीवाल ने

बिना किसी हिचकिचाहट के कहा कि 'मैं आज भी अपने उस बयान पर पूरी तरह कायम हूं।' उनके इस बयान के दौरान मौजूद समर्थकों ने 'अशोक गहलोत जिंदाबाद' के नारे भी लगाए। धारीवाल ने अपने दावे के समर्थन में कहा कि प्रदेश के कांग्रेस कार्यकर्ताओं का व्यवहार ही इसका सबसे बड़ा प्रमाण है। उन्होंने कहा कि 'जयपुर पहुंचने वाला कांग्रेस का कार्यकर्ता ट्रेन, बस या कार से उतरने के बाद सबसे पहले अशोक गहलोत के बंगले पर जाता है। यदि कार्यकर्ताओं का पहला कदम वहीं पड़ता है तो यह बताने के लिए काफी है कि उनके मन में असली नेतृत्व किसका है। '

पेपर लीक पर केंद्र सरकार को घेरा

शांति धारीवाल ने छात्र आंदोलन और पेपर लीक के मुद्दे पर भी केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने छात्रों के साथ अन्याय किया है और मौजूदा दौर में लगातार पेपर लीक हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार पर पेपर लीक के आरोप लगाए जाते हैं, जबकि उनकी सरकार ने इस पर सख्त कानून बनाया और दोषियों को सजा दिलाई।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के इस्तीफे की मांग

धारीवाल ने राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर पर भी तीखा हमला बोलते हुए उनके इस्तीफे की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा मंत्री के कार्यकाल में कई सरकारी स्कूल बंद हुए हैं और स्कूलों में नामांकन घटा है। उन्होंने कहा कि 'ऐसे व्यक्ति को शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी देने का कोई औचित्य नहीं है। उन्हें सिर्फ आरएसएस की मुहर के कारण पद पर बनाए रखा गया है। '

गिट्टी से भरे डंपर से टकराई पीएम ई-बस, बड़ा हादसा टला

टक्कर से बस का शीशा टूटा, यात्रियों में मची अफरा-तफरी; कुछ दिन पहले भी हुई थी दुर्घटना

भीलवाड़ा फोकस @ सवाईपुर

(सांवर वैष्णव)। भीलवाड़ा-बड़लियास मार्ग पर रविवार को प्रधानमंत्री ई-बस एक बार फिर हादसे का शिकार हो गई। क्षेत्र के जित्या माफी गांव में गिट्टी से भरे डंपर और ई-बस की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में बस का एक शीशा टूट गया, जिससे बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि राहत की बात यह रही कि दुर्घटना में कोई यात्री घायल नहीं हुआ।

जानकारी के अनुसार बड़लियास से भीलवाड़ा जा रही पीएम ई-बस जब जित्या माफी गांव से गुजर रही थी, तभी गिट्टी से भरे डंपर से उसकी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बस का एक साइड का कांच टूट गया। घटना के बाद कुछ देर के लिए मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। गौरतलब है कि जित्या माफी गांव में कुछ दिन पहले भी बजरी से भरे ट्रैक्टर और पीएम ई-बस की टक्कर हुई थी। लगातार हो रही दुर्घटनाओं से ग्रामीणों ने गांव के भीतर भारी वाहनों की आवाजाही पर नियंत्रण तथा यातायात व्यवस्था सुधारने की मांग उठाई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में बड़ा हादसा हो सकता है।

मंदाकिनी महादेव में उमड़ रही श्रद्धाः सावन में प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु कर रहे जलाभिषेक

भीलवाड़ा फोकस @ बिजोलिया। ।

मानव तिवाड़ी । सावन माह शुरू होते ही कस्बे का ऐतिहासिक मंदाकिनी महादेव मंदिर समूह शिवभक्तों की आस्था का प्रमुख केंद्र बन गया है। प्रतिदिन सुबह से देर शाम तक सैकड़ों श्रद्धालु हजारेश्वर, उँडेश्वर और महाकालेश्वर महादेव के दर्शन एवं जलाभिषेक के लिए पहुंच रहे हैं। मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयघोष, रुद्राभिषेक, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों से भक्तिमय बना हुआ है।

इतिहास, आस्था और अद्भुत स्थापत्य का संगम माने जाने वाले मंदाकिनी समूह के तीनों प्राचीन शिवालय 11वीं-12वीं शताब्दी में गुहिल राजवंश के शासनकाल में निर्मित माने जाते हैं। धार्मिक और शास्त्रीय दृष्टि से इनका विशेष महत्व है और यही वजह है कि सावन में यहां स्थानीय श्रद्धालुओं के साथ-साथ दूर-दराज से भी बड़ी संख्या में भक्त दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं।

महाकाल का दूसरा स्वरूप माने जाते हैं मंदाकिनी महादेव

पंडित शांतिलाल जोशी ने बताया कि तीनों शिवालय चौहानकालीन 11वीं-12वीं शताब्दी के हैं और यहां प्रतिदिन विधिवत पूजा-अर्चना होती है। मुख्य महाकाल मंदिर के गर्भगृह में स्थापित शिवलिंग को श्रद्धालु उज्जैन के महाकाल का दूसरा स्वरूप मानते हैं। इसी मान्यता के कारण सावन में यहां विशेष श्रद्धा उमड़ती है।

एक शिवलिंग पर उत्कीर्ण हैं एक हजार शिवलिंग

महाकाल मंदिर के समीप स्थित हजारेश्वर महादेव की विशेषता यह है कि यहां स्थापित एक ही शिवलिंग पर एक हजार सूक्ष्म शिवलिंग उत्कीर्ण हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह आसपास के क्षेत्र का पहला और अत्यंत दुर्लभ शिवलिंग है, जिसे देखने के लिए श्रद्धालु विशेष रूप से पहुंचते हैं।

उँडेश्वर महादेवः जलमग्न शिवलिंग और वर्षा की अनोखी मान्यता

सुनील जोशी ने बताया कि मंदिर समूह में स्थित उँडेश्वर महादेव भी अपनी अनूठी परंपरा के लिए प्रसिद्ध हैं। सावन और वर्षा ऋतु में यह शिवलिंग जलमग्न रहता है। मान्यता है कि यदि क्षेत्र में वर्षा नहीं होती तो श्रद्धालु गर्भगृह में जल भरकर भगवान शिव से वर्षा की प्रार्थना करते हैं और इसके बाद अच्छी बारिश होती है।

तारा बाव और मंदाकिनी कुंड का भी विशेष महत्व

जितेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि मंदिर परिसर में स्थित तारा बाव प्राकृतिक जल स्रोत वाली प्राचीन बावड़ी है, जिसमें वर्षभर पानी भरा रहता है। वहीं मंदाकिनी कुंड में स्नान और भगवान शिव का अभिषेक करना अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि यहां स्नान करने से पुष्कर स्नान के समान पुण्य की प्राप्ति होती है।

सावनभर होंगे विशेष धार्मिक आयोजन

पंडित शांतिलाल जोशी ने बताया कि पूरे सावन माह मंदिर में अखंड रामायण पाठ, प्रतिदिन महारुद्री पाठ, नमक-चमक, रुद्राभिषेक, जलाभिषेक, विशेष श्रृंगार एवं महाआरती का आयोजन किया जा रहा है। इन अनुष्ठानों में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग ले रहे हैं। साथ ही मंदाकिनी महादेव मंदिर से तिलस्वा महादेव मंदिर तक भव्य कावड़ यात्रा भी निकलेगी, जिसकी तैयारियां चल रही हैं।

आस्था, इतिहास और विरासत का जीवंत केंद्र

अपनी प्राचीन वास्तुकला, दुर्लभ धार्मिक मान्यताओं, अद्भुत शिल्पकला और अटूट आस्था के कारण बिजौलिया का मंदाकिनी महादेव मंदिर समूह केवल एक धार्मिक स्थल ही नहीं, बल्कि राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर का जीवंत प्रतीक है। सावन में यहां उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ इस बात का प्रमाण है कि सदियों पुरानी यह आस्था आज भी उतनी ही प्रगाढ़ है।

जिम्मेदारों की लापरवाही : उजाले में भी रोशन रहा चौराहा

भीलवाड़ा फोकस @ बिजोलिया ।

ऊर्जा संरक्षण और बिजली बचाने के संदेशों के बीच नगर में रविवार को एक ऐसा नजारा देखने को मिला, जिसने जिम्मेदार विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए। शक्करगढ़ चौराहा स्थित महाराणा प्रताप चौक पर दोपहर के समय तेज धूप के बावजूद हाईमास्ट लाइट लगातार जलती रही। दिन के उजाले में लाइट चालू रहने से बिजली की अनावश्यक खपत होती रही, जिसे देखकर स्थानीय लोगों ने नाराजगी जताई और इसे सरकारी संसाधनों की खुली बर्बादी बताया।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर के कई मोहल्लों और गलियों में पर्याप्त स्ट्रीट लाइट व्यवस्था नहीं होने के कारण शाम ढलते ही अंधेरा छा जाता है। इससे रोजाना राहगीरों, महिलाओं, बुजुर्गों और स्कूली बच्चों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसके विपरीत नगर के प्रमुख चौराहे पर दिनभर हाईमास्ट लाइट का जलते रहना जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही को उजागर करता है।

नागरिकों का कहना है कि यदि स्ट्रीट लाइट और हाईमास्ट लाइटों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा समयबद्ध तरीके से इन्हें चालू-

बंद किया जाए तो बिजली की अनावश्यक बर्बादी रोकी जा सकती है। उनका यह भी कहना है कि जिन क्षेत्रों में लंबे समय से स्ट्रीट लाइटें बंद हैं या पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं है, वहां प्राथमिकता के आधार पर नई लाइटें लगाई जानी चाहिए। लोगों ने नगर पालिका से हाईमास्ट और स्ट्रीट लाइट व्यवस्था की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने, लापरवाही की जांच कराने की मांग की है।

बिजोलिया में 9 घंटे तक बरसे मेघ, 36 मिमी बारिश दर्ज

भीलवाड़ा फोकस @ बिजोलिया ।

कस्बे में रविवार को सुबह से शाम तक बारिश का सिलसिला जारी रहा । सुबह 7 बजे से शाम 4 बजे तक कभी तेज तो कभी रिमझिम बारिश होती रही। करीब 9 घंटे में 36 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई, जिससे मौसम पूरी तरह सुहावना हो गया और लोगों को लंबे समय से पड़ रही गर्मी व उमस से राहत

मिली।

लगातार हुई बारिश का सबसे अधिक फायदा किसानों को मिला। खेतों में पर्याप्त नमी आने से खरीफ फसलों को संजीवनी मिली और किसानों के चेहरों पर खुशी लौट आई। बारिश के बाद कस्बे और आसपास के क्षेत्रों में ठंडी हवाएं चलने से जनजीवन भी काफी सुखद हो गया।

मौसम विभाग ने आगामी दिनों में भी क्षेत्र में बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना जताई है। अनुकूल मौसम मिलने की उम्मीद है।

'भीलवाड़ा फोकस'

अपने शहर और गाँव के समाचार, सूचनाएँ, सार्वजनिक घोषणाएँ या विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए संपर्क करें।

Mo.– 8696795959

Bhilwarafocus@gmail.com

BHILWARA FOCUS

भीलवाड़ा की बात, फोकस के साथ

विश्व आदिवासी दिवस पर दौसा के राज्य स्तरीय आयोजन की बनी रणनीति

मीणा छात्रावास में बैठक, पोस्टर का विमोचन कर अधिकाधिक भागीदारी का आह्वान

भीलवाड़ा फोकस @ बिजोलिया।

विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में 9 अगस्त को दौसा में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम को लेकर रविवार को मीणा छात्रावास में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के मार्गदर्शन में कार्यक्रम की तैयारियों पर चर्चा करते हुए अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने की रणनीति बनाई गई।

बैठक के दौरान राज्य स्तरीय कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया गया तथा समाज के लोगों से बड़ी संख्या में दौसा पहुंचकर आयोजन को सफल बनाने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस समाज की एकजुटता, संस्कृति और अधिकारों के संरक्षण का प्रतीक है, जिसे पूरे उत्साह और गरिमा के साथ मनाया जाना चाहिए। इस अवसर पर रतिराम मीणा, प्रकाश मीणा, धनराज मीणा, दीपक मीणा, गजराज मीणा, शिवराज मीणा, राजेश मीणा, दिलखुश मीणा, नंदलाल, हीरालाल, रमेश, कमलेश, बंसीलाल, नंदकिशोर, जगन्नाथ, सुरेश कुमार सहित समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे।

छोटी बिजोलिया के 13 किमी सड़क मार्ग बदहाल, श्रद्धालु और ग्रामीण परेशान

गड्ढों, जर्जर पुलियों और सड़क किनारे उगी झाड़ियों से बढ़ा हादसों का खतरा, कई शिकायतों के बावजूद नहीं हुआ समाधान

भीलवाड़ा फोकस @ बिजोलिया।

शुभम । उपखंड क्षेत्र की छोटी बिजोलिया को जोड़ने वाले प्रमुख सड़क मार्ग वर्षों से बदहाल पड़े हैं। गहरे गड्ढों, उखड़ी डामर, क्षतिग्रस्त पुलियों और सड़क किनारे फैली अंग्रेजी बबूल की झाड़ियों के कारण ग्रामीणों, श्रद्धालुओं और पर्यटकों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के मौसम में स्थिति और गंभीर हो जाती है, जिससे आवागमन जोखिमभरा होने के साथ दुर्घटनाओं की आशंका भी लगातार बढ़ रही है।

ग्रामीण कमलेश सेन ने बताया कि छोटी बिजोलिया क्षेत्र स्थित कुकड़ेश्वर महादेव मंदिर, झरिया महादेव, खोली के महादेव, कनेर की पुतलियां और भड़क झरना धार्मिक आस्था और पर्यटन के प्रमुख केंद्र हैं। हर वर्ष यहां हजारों श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं, लेकिन इन स्थलों तक जाने वाले मार्गों की दुर्दशा के कारण उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

ग्रामीणों के अनुसार मालीपुरा से छोटी बिजोलिया तक 5 किलोमीटर, बेरीसाल से छोटी बिजोलिया तक 3 किलोमीटर तथा मानगढ़ से भड़क झरने तक 5 किलोमीटर सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे बन गए हैं, डामर उखड़ चुका है और सड़क किनारे उगी अंग्रेजी बबूल की झाड़ियां वाहन चालकों के लिए अतिरिक्त परेशानी का कारण बनी हुई हैं। ग्रामीणों ने बताया कि गांव को जोड़ने वाली डेकनी खाल पुलिया और थड़ौदा एनीकट पुलिया भी क्षतिग्रस्त हैं। बारिश के दौरान इन मार्गों पर कीचड़ और जलभराव होने से दोपहिया और चारपहिया वाहनों की आवाजाही बेहद जोखिमभरी हो जाती है। खराब सड़क और पुलियों के कारण आए दिन छोटे-बड़े हादसे होने की घटनाएं भी सामने आती रहती हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क और पुलियों की मरम्मत को लेकर कई बार प्रशासन को ज्ञापन सौंपे जा चुके हैं। विभिन्न जनसुनवाई शिविरों में भी लिखित एवं मौखिक शिकायतें की गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि धार्मिक एवं पर्यटन महत्व को देखते हुए छोटी बिजोलिया क्षेत्र के जर्जर सड़क मार्गों का शीघ्र नवीनीकरण कराया जाए, क्षतिग्रस्त पुलियों की मरम्मत कराई जाए तथा सड़क किनारे उगी झाड़ियों की सफाई कर सुरक्षित और सुगम आवागमन सुनिश्चित किया जाए।

सावन स्पेशल स्टोरी - कोठारी नदी के उफान में भी अडिग रहा जुना गांव (सवाईपुर) महादेव मन्दिर

कुई के पानी व मिट्टी से चर्मरोग व मस का होता निवारण

भीलवाड़ा फोकस @ सवाईपुर

(सांवर वैष्णव):- भीलवाडा -कोटा NH-758 राजमार्ग पर बसे सवाईपुर कस्बे के उतर दिशा में 2 किलोमीटर की दूरी पर सालरिया रोड़ पर स्थित पुराने सवाईपुर जिसे दादिया नाम से जाना जाता है जहां करीब 120 परिवार तत्समय निवासरत थे जहां के आश्ता का केंद्र भगवान शिव मन्दिर का इतिहास 14 वीं शताब्दी से जुड़ा है, जिसे वर्तमान में जूना गांव महादेव के नाम से जानते हैं, यहां शिवालय में प्राचीन शिवलिंग स्थापित है । 19 वीं सदी में जब अतिवृष्टि, बाढ़ हालात एवं कोठारी नदी उफान पर आई तो नदी का पानी करीब दो किलोमीटर दूर तक फेल गया था, लेकिन उस पानी में भी शिव मंदिर अडिग रहा, मंदिर भी चारों तरफ से पानी से गिरा रहा । यहा सावन में भक्तों की भीड़ से सुबह से शाम तक बनी रहती है, यहां अभिषेक समेत विभिन्न अनुष्ठान होते है । पहले बुजुर्ग बताते थे कि जब सवाईपुर गांव बसाया गया था, उस वक्त के तत्कालीन महाराजा ने किले के साथ-साथ चारभुजा नाथ और शिव मंदिर का निर्माण करवाया, शिव मंदिर के सामने ही एक पौराणिक कुई का निर्माण भी किया, ताकि कुई के पानी से महादेव जी का अभिषेक किया जा सके, मान्यता है की इस कुई के पास की मिट्टी और कुई के पानी से स्नान करने पर चर्मरोग एवं मस यानि काला तिल रोग जड़ से होता है ।

किले की मोटी दिवारें ढह गई, लेकिन मंदिर अडिग रहा

18 वी शताब्दी में महाराजा सवाई जय सिंह जो कि सवाईपुर के ग्राम के तत्कालीन महाराजा थे, उन्होंने इस शिव मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया था, सवाईपुर गांव पहले कोठारी नदी के किनारे बसा हुआ था, लेकिन विक्रम संवत 1947 में हुई अतिवृष्टि से कोठारी नदी उफान पर आ गई और नदी के रोद्र रूप के आगे पुरा सवाईपुर गांव को तहस-नहस हो गया, उस वक्त किले की मोटी-मोटी दिवारे भी ढह गई, लेकिन शिव मंदिर जस-का-तस अडिग रहा । इसके बाद से लोगों की आस्था इस मन्दिर के प्रति और बढ़ गई । इसके बाद इस मंदिर का जिर्णोद्धार 1983 में सुवालाल श्रोत्रिय व धन्नालाल श्रोत्रिय के द्वारा करवाया गया था और 2014 में कालू लाल श्रोत्रिय व श्याम लाल श्रोत्रिय ने फिर से मंदिर का जिर्णोद्धार करवाया था ।।

आस्था का केंद्र प्राचीन शिवालय

वर्तमान में पंडित रविशंकर श्रोत्रिय व पंडित राकेश श्रोत्रिय भोलेनाथ की पूजा अर्चना करते हैं । गोविंद श्रोत्रिय ने बताया कि यहां पर दानदाताओं के सहयोग से आमजन के लिए पानी की टंकी और पशुओं के लिए पानी की खेल का निर्माण करवाया गया । प्राचीन शिव मंदिर में सवाईपुर सहित सालरिया, सबला जी का खेड़ा, ढ़ेलाणा, ड़साणिया का खेड़ा आदि गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु सावन माह व महा शिवरात्रि पर दर्शन करने आते, भक्तों की भोलेनाथ पर आस्था है, इसीलिए यह शिव मंदिर जूना गांव महादेव के नाम से प्रसिद्ध है

'मुझे न नोट चाहिए, न वोट... आपकी जिंदगी की खोट चाहिए' : पुलकसागर महाराज

भव्य मंगल कलश शोभायात्रा के साथ चातुर्मास का शुभारंभ, हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में हुई कलश स्थापना

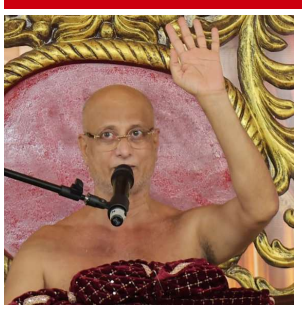

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

शास्त्रीनगर स्थित सूर्यमहल में विराजित राष्ट्रसंत मनोज्ञाचार्य पुलकसागर महाराज के सानिध्य में रविवार को सकल दिगम्बर जैन समाज की ओर से आयोजित चातुर्मास का विधिवत शुभारंभ श्रद्धा, आस्था और भक्ति के माहौल में हुआ। नगर निगम के चित्रकूटधाम में आयोजित चातुर्मासिक मंगल कलश स्थापना समारोह में भीलवाड़ा सहित राजस्थान और देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। सूर्यमहल से चित्रकूटधाम तक निकली भव्य मंगल कलश शोभायात्रा ने पूरे शहर को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया।

चातुर्मास के शुभारंभ पर अपने प्रथम प्रवचन में आचार्य पुलकसागर महाराज ने कहा, 'मुझे भीलवाड़ावालों से न नोट चाहिए, न वोट और न ही सपोर्ट चाहिए, मुझे तो केवल आपकी जिंदगी की वह खोट चाहिए, जो आपको चैन से जीने नहीं देती।' उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। यदि लोग प्रतिदिन 24 घंटे में से केवल एक घंटा धर्म और आत्मचिंतन के लिए दें, तो वे शेष 23 घंटे सार्थक बनाने का मार्ग दिखाने का प्रयास करेंगे।

उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य लोगों के घरों के वैभव को नहीं, बल्कि उनके मन को संवारना है। 'मन सेट हो जाएगा तो सब कुछ सेट हो जाएगा।' उन्होंने कहा कि उनके प्रवचन केवल धार्मिक कथाओं तक सीमित नहीं होंगे, बल्कि जीवन जीने की कला, आत्मचिंतन, रिश्तों में प्रेम और सामाजिक समरसता का संदेश देंगे। उन्होंने लोगों से मन की दीवारें गिराकर प्रेम और सद्भाव का वातावरण बनाने का आह्वान किया।

समारोह में मुख्य कलश स्थापना का सौभाग्य तिलोकचंद छाबड़ा एवं सुरेंद्र सुराणा परिवार को प्राप्त हुआ। इसके अलावा विभिन्न पुण्यार्जक परिवारों के साथ करीब 100 श्रावक परिवारों ने भी मंगल कलश स्थापना में भाग लिया। चातुर्मास समिति के अध्यक्ष प्रवीण चौधरी ने बताया कि कलशों में विभिन्न मांगलिक सामग्री, औषधीय जड़ी-बूटियां और पिरामिड रखे गए हैं, जिन्हें सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है।

चातुर्मास समिति के संयोजक मनीष शाह और सह संयोजक लोकेश अजमेरा ने बताया कि इस आयोजन में मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र और गुजरात सहित विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। शोभायात्रा के दौरान जय गुरुदेव के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम में आचार्यश्री के पाद प्रक्षालन, शास्त्र भेंट, पूजन और आरती का सौभाग्य संघपति प्रदीप मामा एवं कल्पना मामी को प्राप्त हुआ।

समारोह के दौरान ध्वजारोहण सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान भी संपन्न हुए। आयोजन की व्यवस्थाओं में समाज के अनेक पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं तथा आदिनाथ नवयुवक मंडल सहित विभिन्न मंडलों ने सक्रिय सहयोग दिया।

3 अगस्त से नियमित प्रवचन, 15 अगस्त से ज्ञान गंगा महोत्सव

चातुर्मास के तहत 3 अगस्त से प्रतिदिन सुबह 8:30 से 10 बजे तक सूर्यमहल में नियमित प्रवचन होंगे। वहीं 15 से 30 अगस्त तक चित्रकूटधाम में ज्ञान गंगा महोत्सव आयोजित किया जाएगा। महोत्सव के दौरान स्वतंत्रता दिवस, मोक्ष सप्तमी और रक्षाबंधन सहित विभिन्न अवसरों पर विशेष धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

9 अगस्त को तिलस्वा महादेव से निकलेगी आदिवासी गौरव वाहन रैली

प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का होगा सम्मान, भील समाज की बैठक में बनी रूपरेखा

भीलवाड़ा फोकस @ बिजोलिया।

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर 9 अगस्त को क्षेत्र में भव्य आदिवासी गौरव वाहन रैली निकाली जाएगी। इसकी तैयारियों को लेकर रविवार को भील समाज छात्रावास में पूर्व सरपंच रामचंद भील की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई।

बैठक में निर्णय लिया गया कि 9 अगस्त को सुबह 11 बजे तिलस्वा महादेव से वाहन रैली रवाना होगी। रैली कांस्या, केरखेड़ा, सतकुड़िया, मकरेड़ी, कांमा और गोविंदपुरा होते हुए बिजोलिया नगर पहुंचेगी। रैली का समापन भील समाज छात्रावास परिसर में होगा, जहां समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान भी किया जाएगा।

बैठक में समाज के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में वाहन रैली में शामिल होकर विश्व आदिवासी दिवस को उत्साहपूर्वक मनाने की अपील की गई।

भीलवाड़ा में राष्ट्रसंत पुलक सागर जी महाराज का अंतरराष्ट्रीय सम्मान

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

शहर में आयोजित भव्य एवं गरिमामय समारोह में विश्वविख्यात जैन संत, आध्यात्मिक चिंतक एवं राष्ट्रसंत मनोज्ञाचार्य श्री पुलक सागर जी महाराज को मल्टीनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड (लंदन) की ओर से लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके आजीवन आध्यात्मिक, सामाजिक एवं मानवीय योगदान के लिए दिया गया। समारोह में मल्टीनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड (लंदन) के भारत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) कृष्ण कुमार उपाध्याय ने पूज्य गुरुदेव को सम्मान-पत्र भेंट करते हुए कहा कि राष्ट्रसंत पुलक सागर जी महाराज ने अपने ज्ञान, तप, संयम, अहिंसा और मानवता के संदेश से करोड़ों लोगों के जीवन को नई दिशा प्रदान की है। उनका व्यक्तित्व एवं कृतित्व आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि यह सम्मान समाज और राष्ट्र के प्रति उनके अमूल्य योगदान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली गौरवपूर्ण पहचान है। सम्मान समारोह के बाद उपस्थित श्रद्धालुओं एवं समाजजनों ने गुरुदेव का अभिनंदन

किया और इसे संपूर्ण जैन समाज के लिए गर्व का क्षण बताया।

समारोह में संस्था की कोऑर्डिनेटर गरिमा जैन, एईएन सपना शर्मा, अखिल भारतीय पुलक जन चेतना मंच परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद फाँदोत, रसिकलाल धारीवाल, संघपति प्रदीप जी मामा (भोपाल), महिला मंच की राष्ट्रीय अध्यक्ष मीना झाँझरी, राष्ट्रीय महामंत्री बीना टोंग्या, भीलवाड़ा चातुर्मास समिति के अध्यक्ष प्रवीण चौधरी, महामंत्री जयकुमार पाटनी, संरक्षक शोभा ताई सहित देशभर से आए अनेक गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, धर्मप्रेमी एवं जैन समाज के वरिष्ठजन उपस्थित रहे।

QUICK BITES

नई अफीम नीति में बदलाव को लेकर सांसद को ज्ञापन सौंपा

भीलवाड़ा फोकस @ सवाईपुर

(सांवर वैष्णव):- भारतीय किसान संघ जिला भीलवाड़ा का प्रतिनिधि मंडल रविवार को भीलवाड़ा लोकसभा सांसद दामोदर अग्रवाल से मिला एवं नई अफीम नीति 2026-27 में महत्वपूर्ण बिंदु जुड़वाने हेतु आग्रह किया । नई नीति में पुराने बंद पट्टे जारी कराने, चालू वित्तीय वर्ष में खराब मौसम के कारण मोरफिन की मात्रा पूरी नहीं बैठ पाई उन्हें लुवाई चीराई में पट्टे दिये जाने, सी पी एस किसानों को भी 10 आरी के पट्टे दिये जाने, उत्तराधिकारी नियम में राजस्व की भांति सभी वारिसों के नाम नामांतरण खोला जाने, नये अफीम पट्टे दिये जायें जिससे स्वरोजगार को बढ़ावा मिलेगा । वित्तमंत्री द्वारा आहूत बैठक में नई नीति में शामिल कराने का आग्रह किया । सांसद अग्रवाल ने प्रतिनिधि मंडल को आस्वस्त किया कि अवश्य ही इन किसान हितैषी बिंदुओं को नई अफीम नीति में शामिल करवायेंगे । इस मौके पर प्रदेश अफीम आयाम प्रमुख बद्रीलाल जाट, जिला अफीम आयाम प्रमुख रामपाल जाट, तहसील अफीम आयाम प्रमुख भंवरलाल सुथार एवं जिला मंत्री लादूलाल जाट उपस्थित रहे ।।

आजादी के रंगों से सजेगी कला की दुनिया, 9 अगस्त को होगी 'रंग तरंग' पेंटिंग प्रतियोगिता

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

दीपिका आर्ट गैलरी एवं दीपिका आर्ट अकादमी द्वारा नेशनल आर्टिस्ट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में 9 अगस्त को 'रंग तरंग - आजादी के रंग, कला के संग' विषय पर भव्य पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

आयोजक दीपिका पाराशर ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों, युवाओं एवं कला प्रेमियों में देशभक्ति और रचनात्मकता की भावना को प्रोत्साहित करना है। प्रतियोगिता में जूनियर, सीनियर एवं सुपर सीनियर तीन आयु वर्गों में प्रतिभागियों को अपनी कला का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि हर आयु वर्ग के छात्र-छात्राएं प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। कार्यक्रम का आयोजन दीपिका आर्ट अकादमी, शास्त्री नगर, भीलवाड़ा में किया जाएगा। प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागी अपना पंजीकरण करवा सकते हैं।

मांडलगढ़ में भाजपा घर-घर तिरंगा अभियान चलाएगी एवं तिरंगा यात्रा निकालेगी

भीलवाड़ा फोकस @ मांडलगढ़।

भारतीय जनता पार्टी ग्रामीण मंडल की मासिक बैठक मांडलगढ़ डाक बंगले में आयोजित की गई। बैठक मांडलगढ़ ग्रामीण भाजपा मंडल अध्यक्ष श्यामलाल अहीर की अध्यक्षता में आयोजित की गई इस अवसर पर भाजपा जिला पदाधिकारी भाजपा जिला मीडिया संयोजक एवं भाजपा मांडलगढ़ ग्रामीण पालक महावीर समदानी उपस्थित रहे । बैठक में मांडलगढ़ ग्रामीण के समस्त पदाधिकारी एवं शक्ति केंद्र संयोजक एवं प्रभारी मौजूद थे बैठक के बाद में मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल ने भी उद्बोधन दिया ग्रामीण मंडल पालक समदानी ने बताया कि 8 अगस्त से 15 अगस्त तक घर घर तिरंगा अभियान एवं यात्रा, गुरु रविदास जी की 650 वी जयंती वर्ष पर आयोजित कार्यक्रम एवं नगर निकाय चुनाव में संगठन को और पदाधिकारी को क्या क्या कार्य करना हें जेसे शक्ति केंद्र पर बेठके,बूथ अध्यक्ष एवं बूथ कार्यकारिणी की बेठके निश्चित हो विशेष जोर दिया गया । क्षेत्र के बूथ एवं शक्ति केन्दो की कार्यकारिणियों को शीघ्र पूरा करना होगा

तेरापंथ युवक परिषद द्वारा मंत्र दीक्षा कार्यक्रम आयोजित

बाल संस्कार की ओर बढ़े नन्हें कदम

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

तेरापंथ युवक परिषद् संस्था के तत्वावधान में रविवार को नागौरी गार्डन स्थित तेरापंथ सभा भवन में आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि श्री यशवंत कुमार जी एवं मुनि श्री मोक्ष कुमार जी के सानिध्य में मंत्र दीक्षा कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक वातावरण के मध्य गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

तेयुप के मीडिया प्रभारी अरिहंत नैनावटी ने बताया कि कार्यक्रम में 9 वर्ष की आयु वर्ग के बड़ी संख्या में बालक-बालिकाओं ने श्रद्धापूर्वक मंत्र दीक्षा ग्रहण की। मंत्र दीक्षा के माध्यम से बच्चों में धार्मिक संस्कार, नैतिक जीवन, अनुशासन एवं आध्यात्मिक चेतना के बीज रोपित किए गए।

तेयुप अध्यक्ष मनोज दक ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ संयोजक पवन बोहरा द्वारा मंगलाचरण एवं स्वागत उद्बोधन से हुआ, तत्पश्चात मुनि श्री यशवंत कुमार जी के सान्निध्य में मंत्र दीक्षा की विधि संपन्न हुई। कार्यक्रम के अंत में मंत्री रवि कांठेड़ ने सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया।

उपस्थित अभिभावकों एवं समाज जनों ने बच्चों के इस आध्यात्मिक संस्कार की सराहना करते हुए इसे उनके उज्ज्वल चरित्र निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। कार्यक्रम के समापन पर सभी दीक्षित बच्चों को मंगलकामनाएँ एवं शुभाशीष प्रदान किए गए।

इस अवसर पर तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष मनोज दक, तेरापंथी सभा संस्था अध्यक्ष अशोक सिंघवी, उपाध्यक्ष दिनेश कांठेड़, मंत्री सुनील दक, कोषाध्यक्ष प्रकाश कावड़िया, तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्ष अमिता बाबेल, मंत्री सुमन लोढ़ा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

मंत्र दीक्षा कार्यक्रम में तेयुप के कुलदीप मारू, अभिषेक आंचलिया, मनीष बोरदिया, हनुमान चोरड़िया, पुनीत कावड़िया, अनुराग नैनावटी, आनंद राज सिंघवी, दीपक पितलिया, नीरज आंचलिया, दीपक सिंघवी सौरभ दक, रवि दक, नितिन बोहरा एवं अन्य कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा।

साथ ही किशोर मंडल के सदस्यों ने भी आयोजन की सफलता में अपना अमूल्य योगदान दिया।

विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल की महानगर बैठक संपन्न

अगले 6 माह के कार्यक्रमों की बनी रूपरेखा, 'नशा मुक्ति युवा-विकसित भारत' संवाद का लाइव प्रसारण

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल की महानगर बैठक रविवार को आदर्श विद्या मंदिर परिसर में आयोजित हुई। बैठक में संगठन की आगामी छह माह की कार्ययोजना पर चर्चा करते हुए विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। इस दौरान प्रधानमंत्री के 'नशा मुक्ति युवा-विकसित भारत' संवाद कार्यक्रम का एलईडी स्क्रीन पर लाइव प्रसारण भी कार्यकर्ताओं को दिखाया गया।

महानगर अध्यक्ष रामप्रकाश बहेड़िया ने बताया कि संगठन की परंपरा के अनुसार प्रत्येक छह माह में प्रांत बैठक के बाद महानगर बैठक आयोजित की जाती है। बैठक में मुख्य वक्ता प्रांत सह-मंत्री युधिष्ठिर सिंह ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कार्यकर्ताओं से संगठन की गतिविधियों को मजबूती से आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

बैठक में अखंड भारत दिवस, शौर्य यात्रा, बूढ़ा अमरनाथ यात्रा और विश्व हिंदू परिषद स्थापना दिवस सहित आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं से सभी आयोजनों को सफल बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया।

विशेष सत्र में प्रधानमंत्री के 'नशा मुक्ति युवा-विकसित भारत' संवाद का लाइव प्रसारण दिखाया गया। इसमें युवाओं को नशामुक्त रहकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का संदेश दिया गया।

बैठक में प्रांत धर्माचार्य कार्यकारिणी सदस्य बालमुकुंद शर्मा, प्रांत सह संयोजक अखिलेश व्यास, भारत गैंगट, सौम्य मेहता, बजरंग दल संयोजक मुकेश प्रजापत, सह संयोजक हितेश नाथ, राजू माली, गौरव जीनगर, घनश्याम खंडेलवाल, दुर्गा वाहिनी सह संयोजिका सीमा पारिक, लक्ष्मी वर्मा, गायत्री सोनी, सुशीला, निलेश सोनी, संजय सेन, सत्तू बजरंगी सहित प्रखंड एवं खंड स्तर के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तेजाजी चौक से बस स्टैंड मार्ग बना परेशानी का कारण

अव्यवस्थित पार्किंग और निर्माण कार्य से बढ़ा हादसे का खतरा

भीलवाड़ा फोकस @ बिजोलिया।

नरेश धाकड़ । कस्बे के सबसे व्यस्त तेजाजी चौक से बस स्टैंड मार्ग पर नगर पालिका की लापरवाही और अव्यवस्थित यातायात व्यवस्था के कारण लोगों को रोजाना परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। टैम्पू-टैक्सी की बेतरतीब पार्किंग, निर्माण कार्यों में सुरक्षा इंतजामों की कमी और अधूरे कार्यों से जाम की स्थिति बन रही है, जिससे दुर्घटना का खतरा भी बढ़ गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि टैम्पू और टैक्सी चालक निर्धारित स्थान के बजाय सड़क किनारे वाहन खड़े कर देते हैं, जिससे मार्ग संकरा हो जाता है और यातायात बार-बार बाधित होता है। वहीं, नगर पालिका द्वारा तेजाजी चौक से बस स्टैंड तक विद्युत पोल लगाने के लिए खुदाई तो कर दी गई, लेकिन निर्माण स्थल पर न तो चेतावनी बोर्ड लगाए गए और न ही सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए। दो दिन पहले इसी मार्ग पर फिसलकर कुछ स्कूली बालिकाएं गिर गई थीं। हालांकि बड़ा हादसा टल गया, लेकिन इससे कार्यस्थल की लापरवाही उजागर हो गई।

तेजाजी चौक के बीच स्थित विद्युत पोल का मामला पहले भी सीएलजी बैठक में उठ चुका है। एडवोकेट सुनील जोशी ने पोल हटाने की मांग की थी, जिसके बाद विधायक गोपाल लाल खंडेलवाल ने मौके का निरीक्षण कर अधिकारियों को इसे अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं होने से लोगों में नाराजगी है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि एक ओर पुराने पोल को हटाने की बात की जा रही है, वहीं दूसरी ओर उसी मार्ग पर नए पोल लगाने के लिए खुदाई की जा रही है। इससे प्रशासनिक समन्वय पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों ने नगर पालिका से निर्माण कार्य जल्द पूरा करने, सुरक्षा संकेतक लगाने और यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।

रावणा राजपूत समाज ने युवा संगठन को दी मजबूती: मुकेश सिंह सांखला बने युवा तहसील अध्यक्ष, कार्यकारिणी का विस्तार

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया

मानव तिवाड़ी। रावणा राजपूत समाज बिजोलिया तहसील की संगठनात्मक बैठक रविवार को मंदाकिनी महादेव मंदिर परिसर में आयोजित हुई। बैठक में समाज के संगठन को मजबूत बनाने, युवाओं की भागीदारी बढ़ाने और आगामी सामाजिक गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान सर्वसम्मति से मुकेश सिंह सांखला को युवा तहसील अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

बैठक की अध्यक्षता तहसील अध्यक्ष राजेंद्र सिंह तंवर ने की। वक्ताओं ने कहा कि समाज के विकास और संगठन को मजबूत बनाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी उद्देश्य से युवा इकाई को और अधिक सक्रिय करने तथा नई जिम्मेदारियां सौंपने का निर्णय लिया गया। साथ ही तहसील कार्यकारिणी का विस्तार कर विभिन्न पदों पर जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

नवनियुक्त युवा तहसील अध्यक्ष मुकेश सिंह सांखला का समाजजनों ने स्वागत करते हुए संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का विश्वास जताया। उन्होंने भी समाजहित में सक्रिय रूप से कार्य करने और युवाओं को संगठन से जोड़ने का भरोसा दिलाया।

बैठक में शेर सिंह चौहान, बजरंग सिंह सांखला, धर्म सिंह पंवार, राजेंद्र सिंह सांखला, माधव सिंह तंवर, ललित सिंह शक्तावत, अजय सिंह तंवर, राहुल सिंह हाड़ा, घनश्याम सिंह कानावत, नरेंद्र सिंह तंवर सहित समाज के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

डिजिटल अंगदान प्रतिज्ञा अभियान में भीलवाड़ा प्रदेश में प्रथम, 5 अगस्त को होगा राज्य स्तरीय सम्मान

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

डिजिटल अंगदान प्रतिज्ञा अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भीलवाड़ा जिले ने पूरे राजस्थान में प्रथम स्थान हासिल किया है। इस उपलब्धि पर राज्य अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन , जयपुर द्वारा जिला प्रशासन को राज्य स्तरीय सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। एसओटीटीओ, जयपुर की ओर से जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू को भेजे गए पत्र में इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए बताया गया है कि 5 अगस्त को दोपहर 12:30 बजे एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर के न्यू एकेडमिक ब्लॉक स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित राज्य स्तरीय भारतीय अंगदान दिवस समारोह में भीलवाड़ा जिला प्रशासन को सम्मानित किया जाएगा। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने इस सफलता का श्रेय जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, महात्मा गांधी अस्पताल के पीएमओ, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम, विभिन्न विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं, शिक्षण संस्थानों तथा जिले की जागरूक जनता को दिया। उन्होंने कहा कि 'अंगदान महादान है और इससे कई जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन मिल सकता है।' उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में भी जिले में अंगदान के प्रति जनजागरूकता अभियान लगातार जारी रहेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव शर्मा ने बताया कि जिला कलेक्टर के नेतृत्व में जिलेभर में अंगदान को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। विभिन्न विभागों, सामाजिक संगठनों और शिक्षण संस्थानों के सहयोग से लोगों को डिजिटल माध्यम से अंगदान प्रतिज्ञा के लिए प्रेरित किया गया, जिसके परिणामस्वरूप भीलवाड़ा ने पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह उपलब्धि न केवल जिले के लिए गौरव का विषय है, बल्कि अंगदान जैसे सामाजिक सरोकार से जुड़े अभियान में भीलवाड़ा की सक्रिय भागीदारी और जनजागरूकता का भी प्रमाण है।

नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की नींव 100 सप्ताह चलेगा जन-आंदोलनः पीएम मोदी

भीलवाड़ा में 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' के तहत लाइव प्रसारण, विजेताओं का हुआ सम्मान

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के माय भारत केंद्र की ओर से विद्या प्रोफेशनल एंड टेक्निकल कॉलेज में 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का लाइव प्रसारण आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं, शिक्षकों और अतिथियों ने प्रधानमंत्री का संदेश सुना। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव हैं। उन्होंने बताया कि यह अभियान आगामी 100 सप्ताह तक देशभर में जन-आंदोलन के रूप में चलाया जाएगा, जिसके तहत युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

कार्यक्रम की शुरुआत जिला युवा अधिकारी रचना शर्मा ने अतिथियों के स्वागत के साथ की। उन्होंने नशा मुक्ति अभियान एवं माय भारत पोर्टल की जानकारी देते हुए युवाओं से इस अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि सांसद दामोदर अग्रवाल ने युवाओं को नशे से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब देश का युवा स्वस्थ, जागरूक और जिम्मेदार बनेगा।

इस अवसर पर 'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत' विषय पर आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागियों में भाषण प्रतियोगिता में खुशी शर्मा, कविता पाठ में आयुषी व्यास, रील एवं शॉर्ट फिल्म में राहुल बैरवा, नुक्कड़ नाटक में लक्ष्मी एवं ग्रुप, पेंटिंग में अश्लेषा अग्रवाल, स्लोगन लेखन में नित्या मल्होत्रा, संगीत में राजकुमार खटीक तथा नृत्य में विद्या एवं ग्रुप शामिल रहे। ये सभी प्रतिभागी अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भीलवाड़ा जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

कार्यक्रम के दौरान नशा मुक्ति अभियान के पोस्टर का विमोचन भी किया गया तथा अंत में उपस्थित सभी युवाओं को नशामुक्त भारत और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव रमेश मुंदड़ा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक राम अवतार जाट, कॉलेज डायरेक्टर गीता चौधरी, मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. अशोक चौधरी, प्राचार्य डॉ. जसवंत सिंह चौहान, माय भारत के जगदीश शर्मा एवं बालूलाल वैष्णव, कॉलेज स्टाफ तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शुभम ओझा ने किया।

रेगर समाज छात्रावास विकास समिति की बैठक में शिक्षा, संगठन और सामाजिक विकास पर मंथन

पुस्तकालय निर्माण, सम्मान समारोह और पौधारोपण के प्रस्ताव पर बनी सहमति

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा

(किशन) रेगर समाज छात्रावास विकास समिति शाहपुरा की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को छात्रावास भवन में वीरमलाल डडवाडिया की अध्यक्षता एवं छात्रावास अध्यक्ष रतनलाल मुंडेतिया के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुई। बैठक में छात्रावास के विकास, शिक्षा, सामाजिक संगठन, राजनीतिक जागरूकता तथा आगामी सम्मान समारोह सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में कोषाध्यक्ष हंसराज जाबरोलिया ने आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। सुखदेव रेगर सांगरिया ने छात्रावास की आय बढ़ाने के सुझाव दिए, जबकि उपाध्यक्ष मेवालाल जगरवाल ने दानदाताओं से घोषित राशि का संग्रहण करने तथा ?5100 या उससे अधिक सहयोग देने वाले भामाशाहों के नाम शिलालेख पर अंकित कराने का प्रस्ताव रखा।

मोहनलाल रेगर ने नगर निकाय एवं पंचायत राज चुनावों में समाज की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया। सहसचिव चंद्रप्रकाश इंदौरिया ने युवाओं की सामाजिक सहभागिता बढ़ाने की आवश्यकता बताई। गढ़ गवली शाखा अध्यक्ष रणजीत निंदरिया एवं पूर्व पार्षद देवीलाल रेगर ने समाज के शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक उत्थान के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया।

शिक्षाविद कैलाश इंदौरिया, गोपाललाल झरोटिया एवं रतनलाल आरटिया ने छात्रावास में पुस्तकालय स्थापित करने का सुझाव दिया। रामरतन रेगर ने समाजहित में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को प्रोत्साहित करने की बात कही। छात्रावास सचिव कमलेश मुंडेतिया ने समाज के भामाशाहों, प्रतिभावान छात्र-छात्राओं, खिलाड़ियों, प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल अभ्यर्थियों, नव नियुक्त राजकीय सेवकों एवं जनप्रतिनिधियों के सम्मान में समारोह आयोजित करने का प्रस्ताव रखा। बैठक में छात्रावास की व्यवस्थाओं, पेयजल, प्रकाश एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण बनाए रखने तथा समाज की एकजुटता पर विशेष जोर दिया गया। अध्यक्ष वीरमलाल डडवाडिया ने आगामी सम्मान समारोह को सफल बनाने का आह्वान किया।

बैठक के बाद पौधारोपण किया गया। विद्यार्थी एवं पर्यावरण संगठन सेहो के सहयोग से रामेश्वरलाल जारोटिया के नेतृत्व में छात्रावास परिसर में पौधारोपण किया गया। उपस्थित लोगों ने पौधों की देखभाल कर उन्हें वृक्ष बनाने का संकल्प लिया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

बैठक में माधुलाल रेगर, रामरतन रेगर, कैलाशचंद्र रेगर, मोहनलाल रेगर, चंद्रप्रकाश रेगर, आनंद रेगर, मनोज रेगर, देवीलाल रेगर, लक्ष्मण रेगर सहित विभिन्न गांवों के समाजजन उपस्थित रहे।

मनमर्जी से मत बोलो, अज्ञान व नादानी में निकलने वाली भाषा का परिणाम ठीक नहीं होता-आचार्य रामदयालजी महाराज

जगत में परमात्मा से अच्छा मित्र नहीं जो जन्म से लेकर मरण तक साथ निभाता

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

कभी भी मनमर्जी से मत बोलो, अज्ञान व नादानी में निकलने वाली भाषा का परिणाम ठीक नहीं होगा। माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी ने उन्हें ओर उनकी मां को गाली देने वाले बच्चों को माफ तो कर दिया पर उन्होंने वेदना भी व्यक्त की है कि जो भाषा वह बोल रहे थे वह भारतीय संस्कृति की भाषा नहीं है। ये विचार अन्तरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय शाहपुरा के पीठाधीश्वर जगतगुरू आचार्य स्वामी श्रीरामदयालजी महाराज ने रविवार को ''विश्व शांति कल्याण'' चातुर्मास के तहत दैनिक सत्संग में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जो संसार में अज्ञान का शिकार हो जाता है वह सर्वशक्तिमान ईश्वर को भी माफ नहीं करता ओर उसे भी भलाबुरा कह देता है। राष्ट्रद्रोही, धर्मद्रोही, संस्कृतिद्रोही, गुरूद्रोही का साथ देने का उनका अज्ञानी मन पता नहीं क्यों तैयार हो जाता है। जब परिणाम भुगतने पड़ते है तो कहता मन के अनुसार चला, बोला व सोचा इसलिए अब भुगतना पड़ेगा। ज्ञानीजन कहते है कि ऐसे प्राणी भवसागर में डूबेंगे उन्हें कोई पार नहीं लगा सकता। आचार्यश्री ने कहा कि जीव दुःख के लिए अज्ञान व अविद्या के कारण कभी कर्मो को, कभी समय को ओर कभी परमात्मा को दोष देता है जबकि सुख दुःख तो उसके कर्मो की गाथा है। ईश्वर को कोसने से कुछ नहीं बदलता है। अपने स्वार्थ की पूर्ति नहीं होने पर व्यक्ति सुख दुःख का कारण गुरू को मान बैठता है। गुरू की आज्ञा व शासन का भय नहीं है तो परिणाम भुगत रहे है ओर भुगतना पड़ेगा। जीवन में मन के अनुकूल चलने की बजाय गुरू, शास्त्र व परमात्मा के अनुकूल चले। वह अज्ञानी होता है जिसे खुद में खूबियां ओर दूसरों में कमियां नजर आती है। उन्होंने कहा कि राम ओर गुरू कभी बुरा नहीं करते पर उनके जीवन के प्रति बुरा सोचने वाले भी होते है। माता पिता कभी बुरा नहीं करते पर कितने ही लोग उनमें भी बुराई खोज लेते है। स्वार्थ पूरा नहीं होने पर व्यक्ति के लिए ईश्वर भी शैतान ओर स्वार्थ पूरा हो जाए तो शैतान भी ईश्वर हो जाता है। स्वामीजी ने वाणीजी में अद्भुत चिंतन दिया है कि गुरू आज्ञा में विश्वास रखने वाला परमात्मा से साक्षात्कार कर सकता है। सत्संग में आचार्य रामदयालजी महाराज ने मित्रता दिवस का संदेश देते हुए कहा कि सारे संसार को मित्र भाव से देखे ओर किसी के प्रति शत्रुता के विचार नहीं रखे। संसारी से मित्रता करेंगे तो उसका स्वार्थ पूरा न होने पर मित्रता कब शत्रुता में बदल जाए कहा नहीं जा सकता पर परमात्मा से अच्छा मित्र नहीं मिलेगा जो जन्म से लेकर मरण तक साथ निभाता है। परमात्मा से मित्रता करने वाला धन्य हो जाता है। उन्होंने कहा कि सारा जगत कृष्ण के लिए रोया पर कृष्ण अपने मित्र सुदामा के लिए रोए। परमात्मा की आंख में जिसके लिए आंसू आ जाए वह भाग्यशाली होता है। राम ने सुग्रीव से मित्रता निभाई तो इतिहास बन गया। उन्होंने कहा कि मित्रता दिवस किसी दिन विशेष की बजाय प्रतिदिन मनाना चाहिए। सच्चा मित्र वही होता है जो मित्र को कुपथ से सुपथ पर ले आता है ओर उसके जीवन की सारी बुराईयों को समाप्त कर देता है। परमात्मा व गुरू को अपना मित्र बनाए जो हमे मार्गदर्शन देकर जीवन को सार्थक बनाते है। आचार्यश्री से पूर्व अन्तरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय के प्रखर वक्ता संत मनोरथरामजी आलोट ने मानस प्रवचन दिया। प्रवचन के विश्राम पर श्रद्धालुओं द्वारा आचार्यश्री रामदयालजी महाराज की आरती की गई। सत्संग में भीलवाड़ा सहित विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। चातुर्मास में दैनिक सत्संग का समय सुबह 9 से 10 बजे तक है। रामधुनी के साथ सुबह 8.30 से 9 बजे तक वाणीजी का पाठ हो रहा है। सूर्यास्त के समय संध्या आरती में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे है।

QUICK BITES

विद्यालय मार्ग बदहाल, कीचड़ और गड्ढों से विद्यार्थियों की बढ़ी परेशानीः ग्रामीण बोले- मुख्य सड़क चमक रही, स्कूल का रास्ता बदहाल

भीलवाड़ा फोकस @ काछोला।

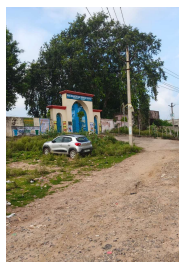

कस्बे में एक ओर मुख्य सड़क पर करोड़ों रुपए खर्च कर बेहतर सड़क बनाई गई है, वहीं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय और महात्मा गांधी विद्यालय जाने वाला मुख्य मार्ग वर्षों से बदहाल पड़ा है। बारिश के दौरान सड़क पर कीचड़, जलभराव और गहरे गड्ढों के कारण प्रतिदिन सैकड़ों विद्यार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

विद्यालय मार्ग पर जगह-जगह गड्ढे, उखड़ी सड़क और बिखरी गिट्टी के चलते छात्र-छात्राओं का पैदल, साइकिल और दोपहिया वाहन से निकलना मुश्किल हो गया है। महात्मा गांधी विद्यालय के मुख्य द्वार के पास ढलान और गिट्टी के कारण कई बार विद्यार्थी फिसलकर गिर चुके हैं। छुट्टी के समय यहां दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है।

ग्रामीणों का कहना है कि मार्ग पर नाली नहीं होने से बारिश का पानी सड़क पर भर जाता है, जिससे छोटे बच्चों को कीचड़ से होकर विद्यालय जाना पड़ता है। आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में आने वाले विद्यार्थियों को भी खराब सड़क के कारण रोजाना परेशानी उठानी पड़ रही है।

ग्रामीणों और अभिभावकों ने प्रशासन व जनप्रतिनिधियों से विद्यालय मार्ग की शीघ्र मरम्मत कराने, जलभराव रोकने के लिए नाली निर्माण करवाने तथा बाईपास से बस स्टैंड डिवाइडर के दोनों ओर विद्यालय मार्ग पर स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग की है। उनका कहना है कि बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए विद्यालय मार्ग का जल्द सुधार कराया जाना चाहिए।

आज तिलस्वां महादेव मंदिर में होगा रुद्राभिषेक

भीलवाड़ा फोकस @ बिजोलिया।

नरेश धाकड़ । श्रावण मास के प्रथम सोमवार को तिलस्वां महादेव मंदिर में राज्य सरकार की ओर से रुद्राभिषेक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसे लेकर प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।

जानकारी के अनुसार उपखंड क्षेत्र के प्रमुख शिव मंदिरों में से एक तिलस्वां महादेव मंदिर का चयन इस विशेष आयोजन के लिए किया गया है। कार्यक्रम की व्यवस्थाएं प्रशासन और मंदिर ट्रस्ट के समन्वय से की जाएंगी।

मंदिर ट्रस्ट के सचिव मांगीलाल धाकड़ को आयोजन संबंधी व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई है। श्रावण मास में श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए सुरक्षा, साफ-सफाई, पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी।

17 वर्षीय बालक भीलवाड़ा फुटबॉल टिम घोषित

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

राजस्थान फुटबाल संघ एवं जिला फुटबाल संघ नागौर के तत्वाधान में होने जा रही राज्य स्तरीय 17 वर्षीय बालक फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ 7 से होने जा रहा हे जिसमें जिले की टीम भी भाग लेगी। 1 तारीख को टीम घोषणा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पार्षद रेखा पूरी, विशिष्ट अतिथि विशिष्ट विश्नोई ओर अध्यक्ष लादू लाल तेली ने टीम की घोषणा की । टीम में यश माली, नील सोनी, काव्यम दाधिच ,देवम जैन, समरजीत , वैदिक छाबड़ा ,अहसान मंसूरी ,उत्कर्ष भांभी, देवराज बेरवा ,शौर्य प्रताप, अरविन्द, सुमित ,दक्ष जोशी, प्रणव खोईवाल, रोहित ,लक्षित , हरपाल सिंह को शामिल किया गया संघ के सचिव कैलाश चंद्र खटीक ने बताया कि टीम का चयन शंकर जीनगर द्वारा किया गया । इस टीम में जिले के प्रत्येक खेल मैदान एवं साथ ही ग्रामीण क्षेत्र से भी खिलाड़ियों को तरासा गया। पूर्व में भी भीलवाड़ा 20 वर्ष बालक में तीसरे पायदान पर रही ओर अच्छा प्रदर्शन किया। इन खिलाड़ियों को भी उसी जोस जुनून ओर नई रणनीति के साथ खेलने के लिय प्रेरित किया टिम घोषणा में सभी कोच एवं संघ के पदाधिकारी खिलाड़ी मौजूद रहे।

बारिश की कामना को लेकर लगाया बोहरी माता को भोग

भीलवाड़ा फोकस @ सवाईपुर

(सांवर वैष्णव):- सवाईपुर कस्बे में बोहरी माता मंदिर पर बारिश की कामना को लेकर भोग लगाकर, माताजी से क्षेत्र में अच्छी बारिश की कामना की । ग्रामीण विमल आचार्य ने बताया कि सवाईपुर में स्थित बोहरी माता शक्तिपीठ पर रविवार को क्षेत्र में अच्छी बारिश की कामना को लेकर भोग लगाया । इस दौरान रोडूमल गाडरी, मोहन दरोगा, एकलिंग माली, श्याम सुंदर श्रोत्रिय, भगवान माली, तुलसीराम दरोगा, शंभू कुमार, गोपाल तेली आदि कई मौजूद रहे ।।

दिनभर रुक-रुककर चला बारिश का दौर, कई रिमझिम तो कई तेज बारिश

भीलवाड़ा फोकस @ सवाईपुर

(सांवर वैष्णव):- सवाईपुर कस्बे सहित आसपास के गांवों में रविवार को दिनभर रुक-रुककर बारिश का दौर चलता रहा, जिससे लोगों के संडे का मजा दुगना हो गया । रुक-रुककर सावन की झड़ी लगी रही । सवाईपुर क्षेत्र में रविवार सुबह से ही मौसम का मिजाज बदला हुआ रहा, सुबह से ही रिमझिम बारिश का दौर चल पड़ा, जो पुरे दिन रुक-रुककर चला । वही बनकाखेड़ा, चावंडिया गांवों में तेज बारिश हुई । क्षेत्र में 4 एमएम बारिश दर्ज की गई । बारिश और सुहाने मौसम के चलते लोगों ने पर्यटक स्थलों की ओर रूख मोड़ा, मेनाल, जोगणियां माता, कोटड़ी श्याम, त्रिवेणी संगम, सांवरिया सेठ, चितौड़ किला पर दर्शन करने के साथ ही हरियाली की खुबसूरती को निहारने गये ।।

स्वत्वाधिकारी एवं प्रकाशक कपिल विजयवर्गीय के लिए मुद्रक वेदान्त प्रभाकर मेधा कप्यूटर्स एण्ड ऑफसेट प्रिन्टर्स नंदभवन, बड़े पार्क के पास, कांवाखेड़ा भीलवाड़ा (राज.)से मुद्रित व मकान न. - 1 ए - धानमंडी योजना, कोर्ट केसामने बिजौलिया , भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक - श्याम सुन्दर विजयवर्गीय । मो. 8696795959, RNI No. : RJHIN/25/A0890 किसी भी प्रकार के वाद विवाद का न्याय क्षेत्र बिजौलिया जिला - भीलवाड़ा ही रहेगा।